मुख्य परीक्षा

प्रश्न-"नैतिक शासन, सुशासन और न्याय परायणता के अवयवों के साथ उत्तम शासन है।" व्याख्या कीजिए।

(250 शब्द)

"Ethical governance is the best rule with the principles of good governance and justice". Explain.

(250 Words)

मॉडल उत्तर

- नैतिक शासन एक व्यापक परिकल्पना है। जिसमें सुशासन और न्याय परायणता के सन्दर्भ विद्यमान रहते हैं। जैसा कि हम जानते हैं सुशासन में ही नैतिकता के अवयव पाये जाते हैं लेकिन सुशासन एवं नैतिक शासन सम्पूर्ण रूप से समान नहीं हैं। नैतिक शासन वह शासन है, जिसमें Good Governance के साथ न्याय परायणता का दर्शन विद्यमान हो, नैतिक शासन कहलाता है। नैतिक शासन में Good Governance उद्देश्य और प्रक्रिया होती है और न्याय परायणता दर्शन। ऐसे शासन में समता, न्याय, संवेदना, ईमानदारी, तटस्थता, वस्तुनिष्ठता, सेवा इत्यादि गुण पाए जाते हैं।

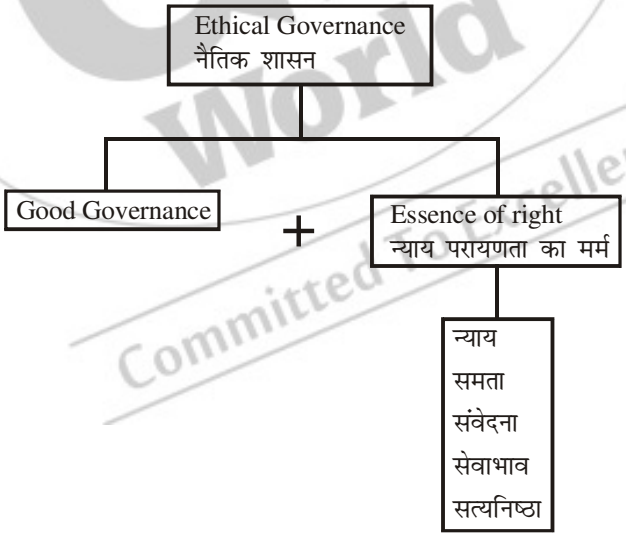

नैतिक शासन के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए प्रकार्यात्मक तरीका, नैतिक प्रबंधन में नियोजन, संगठन समायोजन, संचार, नेतृत्व इत्यादि का सम्पादन करते समय नैतिक अवयवों को समाहित किया जाता है अर्थात् इस शासन में नैतिकता के अवयव व्यापक रूप से पाये जाते हैं।

सुशासन के अन्तर्गत प्रजातंत्र की व्याख्या "जनता का, जनता के लिए, जनता के द्वारा" से की जाती है अर्थात् वह शासन जिसमें:-

1. जनसहभागिता- at the people
2. जनकल्याण - for the people
3. लोक नियंत्रण - by the people

के अवयव विद्यमान हों। लेकिन व्यवहार में ये अवयव न्यूनता में पाए जाते हैं। इस सिद्धांत और व्यवहार के अवयव को पाटने के लिए Governance के साथ good का प्रयोग किया जाता है अर्थात् Good Governance वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से प्रजातंत्र को मजबूत बनाया जाता है।

न्याय परायणता एक दर्शन है जिसके अन्तर्गत न्याय, समता, संवेदना, सेवाभाव, ईमानदारी तथा सत्यनिष्ठा के तत्व विद्यमान रहते हैं।

उल्लेखनीय है कि नैतिक शासन, सुशासन और न्याय परायणता के अवयवों के साथ मिलकर शासन की प्रक्रिया में चार चाँद लगा देता है। जिसमें सरकार के साथ-साथ निजी संस्थाएं, समुदाय, गैर सरकारी संगठन, विशेषज्ञ और यहाँ तक कि आम जनता भी उत्तम शासन में अपनी भागीदारी निभाते है।

GS World
Committed To Excellence